झुंझुनूं आस-पास

30.6.2021

शिक्षा नीति के इंपलीमेंट पर सीबीएसई सेक्रेट्री ने किया आह्वान, कहा केवल डॉक्यूमेंट नहीं बने रहने दिया जाएगा

बीईटी में टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का हुआ शुभारंभ, बीईटी निदेशक मेजर जनरल एसएस नायर ने किया शुभारंभ सीबीएसई सेक्रेट्री अनुराग त्रिपाठी ने किया संबोधित

पिलानी। झुंझुनूं के पिलानी में संचालित बिरला एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित स्कूलों के टीचर्स का चार दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम का बीईटी निदेशक मेजर जनरल एसएस नायर ने शुभारंभ किया। इस चार दिन के ट्रेनिंग प्रोग्राम के कंवीनर बिरला शिशु विहार के प्रिंसीपल पवन वशिष्ठ है। इस मौके पर टीचर्स को सीबीएसई के सेक्रेट्री अनुराग त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। अनुराग त्रिपाठी ने शिक्षकों को सीबीएसई द्वारा तय की गई मार्किंग स्कीम के बारे में बताया। वहीं शिक्षकों के सवालों के जवाब भी दिए। अनुराग त्रिपाठी ने इस मौके पर नई शिक्षा नीति पर भी बातचीत की और कहा कि अब तक जो भी शिक्षा नीति बनी है। उनकी सभी अच्छी चीजें लेकर नई शिक्षा नीति बनाई गई है। उन्होंने 1986 में बनी शिक्षा नीति की भी तारीफ की और कहा कि वह शिक्षा नीति अच्छी थी। लेकिन वह केवल एक डॉक्यूमेंट बनकर रह गई। कभी इंपलीमेंट नहीं हुई। ऐसा ही 2020 की शिक्षा नीति के साथ ना हो। इसके लिए हम सबको प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति केवल शिक्षक, स्कूलों तक सीमित ना रहे। इसके लिए हमें पैरेंट्स के साथ वेबीनार आदि करने होंगे और इस नीति को बताना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस शिक्षा नीति का पहला एम यही है कि हम एक अच्छे नागरिक देश के लिए तैयार करें। जो असल में शिक्षा का भी एम है। इसलिए हमें बच्चों के एजुकेशनल और फिजीकल एजुकेशन के साथ-साथ इमोशन्स पर भी ध्यान दें। इससे पहले सीबीएसई के पूर्व निदेशक डॉ. जी. बालासुब्रमण्यम, अहलकॉन स्कूल्स ऑफ डायरेक्टर अशोक पांडे आदि ने भी संबोधित किया। पवन वशिष्ठ ने बताया कि चार दिन तक चलने वाले इस ट्रेनिंग में ऑनलाइन करीब 400 शिक्षकों को जोड़ गया है। जिन्हें शिक्षा में आए बदलावों के साथ-साथ खासकर ऑनलाइन एजुकेशन के बारे में बताया जाएगा।

दूसरे दिन सीबीएसई के पूर्व निदेशक ने किया संबोधित

कार्यशाला के दूसरे दिन मंगलवार को सीबीएसई के पूर्व निदेशक बालासुब्रमण्यम व एनसीआरटी के पूर्व संयुक्त निदेशक प्रोफेसर राजाराम शर्मा मुख्य वक्ता थे। बालासुब्रमण्यम ने बताया कि विद्यार्थी का बौद्धिक और शैक्षिक विकास पर शिक्षक वर्ग को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया की प्राथमिक स्तर पर किस प्रकार हम बच्चों को कल्पना और खेल के द्वारा हर विषय को पढ़ा सकते हैं। मिश्रित शिक्षा प्रणाली पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि मिश्रित शिक्षा प्रणाली वर्तमान समय में बहुत ही महत्वपूर्ण है, इस शिक्षा प्रणाली से अध्यापक और छात्र के बीच संचार बेहतर होता है। कार्यक्रम में बिरला बालिका विद्यापीठ की प्राचार्या डॉ. एम कस्तूरी, बिरला पब्लिक स्कूल के प्राचार्य कैप्टन अलोकेश सेन, बिरला स्कूल प्राचार्य संजय श्रीवास्तव, बिरला इंटरनेशनल स्कूल किशनगढ़ प्राचार्य डॉ. एलके जैन और प्रधानाचार्या बबिता सिंह आदि उपस्थिति थे।

दैनिक भास्कर

30.6.2021

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में मिश्रित शिक्षा प्रणाली पर बल

बिरला शिक्षण संस्थान, पिलानी में आयोजन

भास्कर न्यूज | पिलानी

बिरला शिक्षण संस्थान, पिलानी के तत्वावधान में चल रहे फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में दूसरे दिन मंगलवार को विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। आयोजक बिरला शिशु विहार के प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने पहले सत्र का शुभारंभ किया। सत्र के दौरान मुख्य वक्ता सीबीएसई के पूर्व निदेशक बालासुब्रमण्यम व एनसीईआरटी के पूर्व संयुक्त निदेशक प्रो. राजाराम शर्मा थे। बालासुब्रमण्यम ने बताया कि विद्यार्थी के बौद्धिक और शैक्षिक विकास पर शिक्षक वर्ग को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्राथमिक स्तर पर बच्चों को कल्पना व खेल के माध्यम से प्रत्येक विषय पढ़ाने पर बल देते हुए मिश्रित शिक्षा प्रणाली पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मिश्रित शिक्षा प्रणाली वर्तमान समय में बहुत ही महत्वपूर्ण है जिससे अध्यापक और छात्र के बीच संचार बेहतर होता है। इस मौके पर डॉ. एम कस्तूरी, कैप्टन अलोकेश सैन, संजय श्रीवास्तव, डॉ. एलके जैन व बबिता सिंह सहित बीईटी स्कूलों के स्टाफ सदस्य मौजूद थे।